आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–22 मार्च 2026 सान्ध्य समाचार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में किसी निर्वाचित सरकार का सबसे अधिक समय तक नेतृत्व करने वाले शासनाध्यक्ष बन गए हैं। श्री मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के तौर पर संयुक्त रूप से आठ हजार नौ सौ इकतीस दिन का कार्यकाल पूरा कर लिया है। हमारे संवाददाता ने बताया है कि श्री मोदी के नाम कई अन्य रिकार्ड भी हैं।

श्री मोदी के नाम सबसे अधिक समय तक गुजरात के मुख्यमंत्री पद पर रहने और प्रधानमंत्री बनने से पहले सबसे अधिक समय तक मुख्यमंत्री होने का रिकार्ड शामिल है। श्री मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री हैं जिनका जन्म स्वतंत्रता के बाद हुआ है और जिन्होंने लगातार तीन बार लोकसभा चुनाव जीते हैं। वे 2001 में पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे और 13 वर्ष तक मुख्यमंत्री रहने के बाद 2014 में देश के 14वें प्रधानमंत्री बने। श्री मोदी लगातार तीन बार प्रधानमंत्री बनने वाले पहले गैर–कांग्रेसी प्रधानमंत्री भी हैं। समाचार कक्ष से निखिल कुमार।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज लखनऊ के लोकभवन में चयनित नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज नर्सिंग प्रोफेसनर्स की मांग केवल भारत ही नहीं, दुनिया भर में है। उन्होंने बताया कि जापान और जर्मनी की यात्रा के दौरान भी उनसे नर्सिंग प्रोफेसनर्स की मांग की गयी। वहां के लोगों में भारत के नर्सिंग प्रोफेसनर्स को लेकर आदर का भाव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में नर्सिंग और पैरामेडिकल शिक्षा को समान रूप से प्राथमिकता दी जा रही है। सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता दिये जाने का परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखायी देने लगा है। मुख्यमंत्री ने नर्सिंग पाठ्यक्रमों का अध्ययन कर रही छात्राओं को विभिन्न भारतीय भाषाओं को सीखने की सलाह दी, जिससे वह देश में किसी भी स्थान पर सेवा देने में सक्षम बन सकें। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और चिकित्सा स्वास्थ्य राज्य मंत्री कुंवर मयंकेश्वर शरण सिंह भी मौजूद रहे।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज नवनिर्मित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लोकार्पण की तैयारियों का जायजा लेने नोएडा पहुंचे। वहां उन्होंने जेवर एयरपोर्ट पर अधिकारियों के साथ बैठक कर समारोह की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की और जरूरी निर्देश दिये। इस नव निर्मित इंटरनेशनल एयरपोर्ट का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी अट्ठाइस मार्च को लोकार्पण करेंगे।

****

केन्द्र सरकार ने राज्यों को व्यावसायिक एलपीजी के बीस प्रतिशत अतिरिक्त आवंटन को मंजूरी दे दी है। यह अब बढ़कर पचास प्रतिशत हो जाएगा। इसमें पीएनजी विस्तार के लिए सुगम सुधारों पर आधारित दस प्रतिशत आवंटन भी शामिल है। यह अतिरिक्त आवंटन राज्य या स्थानीय निकायों द्वारा संचालित रेस्तरां, ढाबे, होटल, औद्योगिक कैंटीन, डेयरी, सब्सिडी वाली कैंटीन और अन्य क्षेत्रों को प्राथमिकता के आधार पर दिया जाएगा। इस संबंध में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव नीरज मित्तल ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों से कहा है कि यह आवंटन कल से लागू होगा। उन्होंने कहा कि सभी वाणिज्यिक और औद्योगिक एलपीजी उपभोक्ताओं को कुल पचास प्रतिशत आवंटन से वाणिज्यिक एलपीजी प्राप्त करने के लिए पात्र होने से पहले तेल विपणन कंपनियों के साथ पंजीकरण कराना होगा।

****

चैत्र नवरात्र के चौथे दिन प्रदेश भर में आज श्रद्धालु मां भगवती के चौथे स्वरूप माता कुष्मांडा की पूजा–अर्चना कर रहे हैं। प्रदेश के सभी देवी मंदिरों और शक्तिपीठों में दर्शन–पूजन के लिये श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी है। मिर्जापुर के मां विन्ध्यवासिनी देवी मंदिर में प्रदेश भर से श्रद्धालु पूजा–अर्चना के लिये पहुंचे हुए हैं। वह कतारबद्ध होकर मां के दर्शन कर रहे हैं। एक रिपोर्ट हमारे प्रतिनिधि से–

माँ विंध्यवासिनी के धाम विन्ध्याचल मे आज दर्शनार्थियों की भारी भीड़ उमड़ी हुई है। आज भक्त माँ के कूष्माण्डा स्वरूप की पूजा अर्चना कर रहे हैं। भक्त कतारबद्ध होकर माँ विन्ध्यवासिनी का दर्शन कर निहाल हो रहे हैं स मंगला आरती के बाद आम दर्शनार्थियों के लिए मंदिर के कपाट खोल दिये गये थे स गंगा स्नान के बाद भक्त जय माता दी के जय जयकारा लगाते हुए मातारानी के चरणों में शीश झुका कर आशीर्वाद ले रहें है स इस समय माँ विंध्यवासिनी देवी , माँ अष्टभुजा देवी , व माँ काली का दर्शन पूजन कर श्रद्धालु त्रिकोण परिक्रमा पूरी कर रहे हैं। मेला क्षेत्र मे सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था हैं। एस एम सबा आकाशवाणी समाचार विन्ध्याचल।

****

विश्व जल दिवस के अवसर पर आज वाराणसी के दशाश्मेघ घाट पर एक अनूठी पहल देखने को मिली। वहां नमामि गंगे के स्वयंसेवियों ने न केवल गंगा जल की सफाई की बल्कि जनभागीदारी से मां गंगा के निर्मल स्वरूप की रक्षा सम्भव होने का संदेश भी दिया। गंगा जल की सफाई के बाद **स्वच्छ जल व स्वस्थ समुदाय** के उद्घोष के साथ गंगा तट पर नागरिकों की एक विशाल मानव श्रृंखला बनाई गई। इस दौरान सभी ने हाथ से हाथ मिलाकर नदियों, तालाबों और भूजल को बचाने का संकल्प लिया।

****